① 18/9/20

B.A. Part I
Hindi Hons
Paper I
मध्यकालीन हिन्दी काव्य

डॉ० अनुराग कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
एस०एम०डी० कॉलेज,
जहानाबाद

जायसी - गोरा-बादल युद्ध खंड

प्रश्न:- प्रस्तुत पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें।

:- आगयाँ भई जाइ एक धनी ।
छूँछि जो धनी फेरि लिहि गनी ।
चलि लोहार राजा पहँ आवा ।
साँग चंडोल जगत सब धावा ॥
पदमावति के भेस लोहारू ।
निकसि काटि बंदि कीन्ह जोहारू ॥
उठा कोपि जस छूटा राजा ।
चढ़ा तुरंग सिंघ अस गाजा ॥

उत्तर:- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक मध्यकालीन हिन्दी काव्य से ली गई है। प्रस्तुत पंक्तियों के कवि जायसी है। मूल रूप से प्रस्तुत पंक्तियाँ जायसी कृत पदमावत के गोरा-बादल युद्ध खंड से ली गई है।

प्रसंग:- प्रस्तुत पंक्तियों का प्रसंग है कि अलाउद्दीन के आलोक में पदमावती को अपने पति से कुछ बातचीत के लिये मिलने की आज्ञा प्राप्त हुई। रानी राजा से मिलने गई। रानी की पालकी में बैठे लुहार ने राजा की हथकड़ी-बेड़ी काट दी। राजा मुक्त होकर सिंह गर्जना करने लगे।

क्रमशः:-

② 15/9/20 गायत्री
B.A. I Part डॉ० उपाध्याय
Humanities कुमार

व्याख्या — सुल्तान की आज्ञा हुई कि कैदखाना के भीतर पद्मावती को राजा रत्नसेन से मिलने दिया जाए। जो घोड़ा दुसरकी था, ईश्वर ने उसे पिंजरे से मार दिया। अर्थात ईश्वर की कृपा को बहुत दिनों के बाद राजा रत्नसेन और रानी पद्मावती के मिलन के आलोक को सफल कर दिया जा सके। पद्मावती का दुर्भाग्य सौभाग्य में परिवर्तित हो गया।

पद्मावती का विमान

पालकी राजा के पास आया। रानी के साथ आने वालों डोलियों से वहाँ का स्थान भर गया। उन पालकियों की शोभा से पूरा संसार शोभायमान हो रहा था। पद्मावती की पालकी में जो लोहार बैठा हुआ था उसने पालकी निकालकर सर्व-प्रथम राजा को प्रणाम किया। इसके बाद उसने राजा की बेड़ियाँ काट डाली। अब राजा रत्नसेन बंधन मुक्त हो गये। बंधन मुक्त होते ही राजा घोड़े पर सवार होकर सिंह गर्जना करने लगे।

टिप्पणी — दूसरी पंक्ति में लोकोक्ति है।
शिल्प विधान — इस पंक्ति में गति है अर्थात् तेजी से रानी की पालकी राजा के पास आ गई। क्योंकि यहाँ राजा को मुक्त करने का कार्य तेजी से करना है।
तीसरी पंक्ति में वीर और रौद्र रस की प्रधानता है। भाषा अवधी है।

क्रमशः —